तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
२५/९/२५	पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी अधिवक्ता उप०। प्रार्थी की ओर से प्रार्थना पत्र बाबत पड़ोसी खातेदार परमानन्द सिंह को पक्षकार बनाये जाने पर बहस की गई जो सुनी गई। पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रार्थी का आये दिन वाद ग्रस्त आराजी की सीमा को लेकर पड़ोसी खातेदार परमानन्द सिंह से विवाद होता रहता है। अतः प्रार्थी परमानन्द सिंह आवश्यक रूप से पक्षकार प्रतीत होता है। अतः न्यायहित में प्रार्थना पत्र स्वीकार, परमानन्द सिंह को रिकार्ड पर लिया जाता है। पत्रावली संशोधित टाईटल वास्ते दिनांक 3/10/25 को पेश हो।